पुना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

WELCOME TO

PUNA INTERNATIONAL SCHOOL

ONLINE CLASS

HINDI GRADE-VII part 2

हिंदी
व्याकरण

हिंदी व्याकरण

संज्ञा

संज्ञा के प्रकार

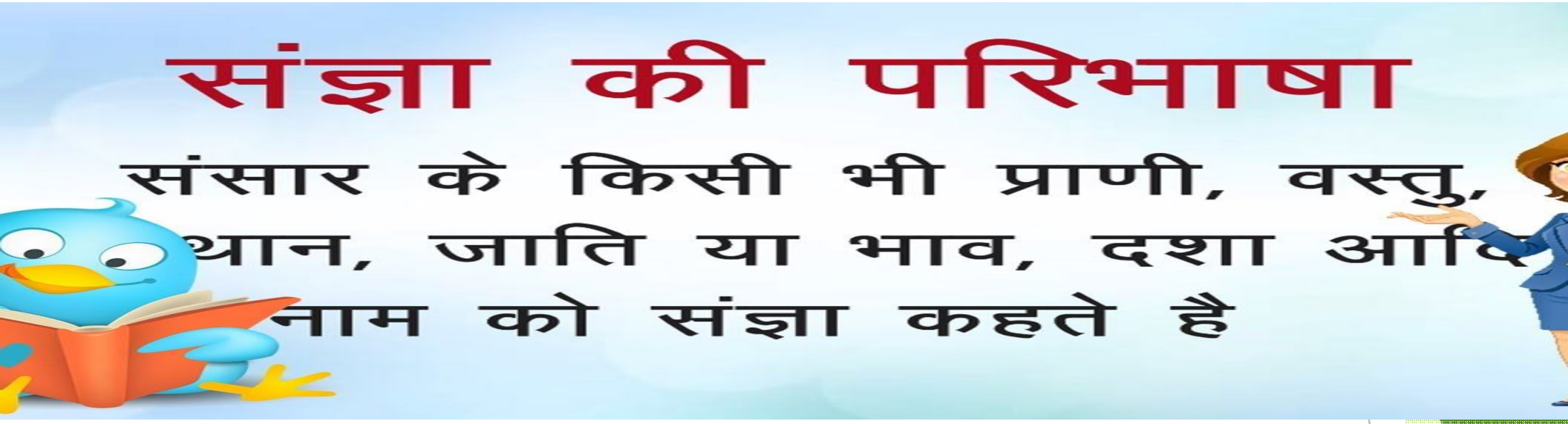

स शब्द को कहते हैं जिससे किसी वस्तु विशेष अथवा किसी के नाम का बोध हो ” सरल शब्दों में संज्ञा की परिभाषा “किसी व्यक्ति, स्थान, प्राणी, गुण, भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

घर, गंगा, मोहन, भारत, दया, ताजमहल, दिल्ली, भैंस आदि सभी संज्ञा के उदहार
भी किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, प्राणी, गुण, भाव आदि के नाम है इन्ही को हम s.
।

s.)a k(wd

व्यक्तिवाचक संज्ञ

व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष, व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- विवेकानंद, महात्मा गाँधी, हिमालय, रामायण आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा द्वारा किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान के नाम का बोध होता है।

सिंह धोनी
शेष व्यक्ति है।

बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु
विशेष प्राणी है।

भगवद् गीता विशेष ग्रंथ
विशेष पुस्तक है।

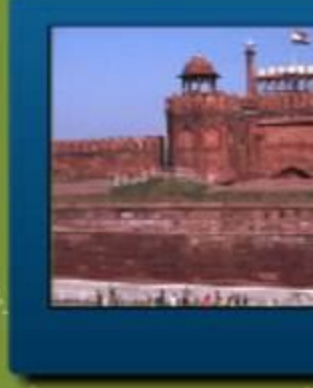

लाल कि
एक विशेष

व्यक्तिवाचक संज्ञा के कुछ उदाहरण

विकास फुटबॉल खेलता है।

महात्मा गाँधी को हम बापू के नाम से भी जानते हैं।

दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा जनसँख्या वाला शहर है।

राम मेरा दोस्त है।

इंग्लिश दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग की जाने वाली भाषा है।

इंदिरा गाँधी भारत की पहली महिला प्रधान मंत्री थी।

जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा, भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।

जातिवाचक संज्ञा

Common Nouns

पेड़

कुत्ता

लड़का

लड़

जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण

च्चे खिलौनों से खेल रहे हैं।
डों पर **पक्षी** बैठे हैं।
ाक्यों में **बच्चे**, **खिलोने**, **पेड़** व **पक्षी** शब्द जातिवाचक संज्ञा की श्रेणी
ाते हैं क्योंकि ये शब्द किसी भी विशेष बच्चे, पक्षी या पेड़ का बोध
राकर पूरी जाती का बोध करा रहे हैं।

जकल **शहरों** की जनसँख्या तेज़ी से बढ़ रही है।
चे स्कूल जाते हैं।
ाक्यों में **शहर**, **बच्चे** व **स्कूल** शब्द जातिवाचक संज्ञा की श्रेंणी में
ी क्योंकि ये किसी विशेष स्थान का बोध न कराकर सारे शहर स्कूल व
का बोध करा रहे हैं।

ववाचक संज्ञा

वाचक संज्ञा

संज्ञा शब्द से पदार्थों की
ा, गुण-दोष, धर्म आदि का
ो उसे भाववाचक संज्ञा
हैं।

बचपन, रसीला, दया, वीरता

शब्द - भाववाचक संज्ञा

अच्छा - अच्छाई
अपना - अपनत्व
अरुण - अरुणिमा
अहं - अहंकार
अमर - अमरता
आलसी - आलस्य
आस्तिक - आस्तिकता
ईश्वर - ईश्वरता
उदासीन - उदासीन
उपयोगी - उपयोगिता
उभरना - उभार
उलझना - उलझाव
ऋजु - ऋजुता
कंजूस - कंजूसी
कठोर - कठोर

भाववाचक संज्ञा के कुछ अन्य उदाहरण

न में गरीबी बढ़ रही है।

बचपन खेलकूद में बीता।

ास की आवाज़ में बहुत मिठास है।

तुम पर काफी गुस्सा आ रहा है।

दोस्त की लम्बाई मेरे से अधिक है।

4. समूहवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति की वस्तुओं के समूह का बोध होता है, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं;

जैसे (1) व्यक्तियों के समूह कक्षा, सेना, समूह, संघ, टुकड़ी, गिरोह और दल इत्यादि।

(2) वस्तुओं के समूह कुंज, ढेर, गट्ठर, गुच्छा इत्यादि।

कक्षा

झुंड

भीड़

सेना

गुच्छा

समूहवाचक संज्ञा के कुछ अन्य उदाहरण

कट **टीम** ने वर्ल्ड कप जीता।

एक **दर्जन** केले खरीदने हैं।

पूरी **कक्षा** के विद्यार्थी घूमने जा रहे हैं।

बस स्टैंड पर **भीड़** जमा हो गयी।

परिवार में चार सदस्य हैं।

क संज्ञa-जो शब्द किसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक
हलाते हैं। **जैसे -** कोयला, पानी, तेल, घी आदि।

: जो शब्द किसी ठोस, तरल, पदार्थ, धातु, अधातु या द्रव्य का बोध
द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। द्रव्यवाचक संज्ञाएँ ढेर के रूप में नापी
जाती हैं। ये अगणनीय हैं।
ोयला, पानी, तेल, घी, लोहा, सोना, चांदी, हीरा, चीनी, फल, सब्ज़ी

चक संज्ञा के उदाहरण
स सोने के आभूषण हैं।
कलो तेल लेकर आओ।
ाल पसंद है।

द्रव्यवाचक संज्ञा के कुछ अन्य उदाहरण

झे **पानी** पीना है।

ोहा बहुत कठोर पदार्थ है।

में स्वस्थ रहने के लिए **घी** खाना चाहिए।

झे **दूध** पीना बहुत पसंद है।

झे **चांदी** के आभूषण पसंद हैं।

Ül eqn-ivwagÝ
Anu7ed leqn

xasn-

ासन" शब्द का अर्थ है किसी विशेष नियम के अनुसार कार्य करना। अपने को वश में करना
सन कहलाता है।स्पष्ट है कि अनुशासित और नियमित व्यवहार सुखदायी होता है। कुछ लोगों
चार है कि माता-पिता और गुरुओं की आज्ञा का पालन करना भी अनुशासन में गिना जाता
यमपूर्वक जीवन बिताना अर्था त्समय पर सोना, समय पर जागना, समय पर भोजन
समय पर सैर करना, समय पर खेलना, समय पर स्कूलजाना आदि अनुशासन में ही गिने
|अध्यापक के अनुशासित चरित्र से विद्यार्थी अध्यापक को सम्मान ही नहीं देता है अपितु उसे
आदर्श भी मानता है। किसी भी व्यक्ति के लिए अनुशासन सदैव लाभदाय कही होता है।
जीवन में अनुशासन के बिना सफल जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज देखने
ा है किस sमाज के प्रत्येवर्ग में अनुशासn ही घर किए हुए है। इसका पहला कारण माता-
जो आरम्भ से ही बच्चों को अनुशासन की शिक्षा नहीं देते। अनुशासन हीनता का दूसra
ारण हमारी शिक्षा प्रणाली है। आज स्कूल और कॉलजों में पढ़नेवाले विद्यार्थी स्वयं ही अपने
य के भवन को आग लगाते हैं और तोड़-फोड़ करते हैं। यह स्थिति चिन्तनीय है।देश की
को नष्ट करने का अर्थ स्वयं को ही नष्ट करना है।अनुशासन प्रत्येक मानव और प्रत्येक
के लिए आवश्यक है। इससे शान्ति बनी रहती है और समाज समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

vi2- lonpogar A0r wÐo. ka ic5 bna0 A4va icpka0|

धन्यवाद